>

Title: Need to regularize the contractual employees working under N.R.H.M. Scheme and to bring uniformity in their pay scales.

श्री कामेश्वर बैठा : सभापति जी, मुझे यहां से बोलने की अनुमति प्रदान करें। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : अनुमति दी जाती है, लेकिन प्रायः जब आपको बोलना हो तो कृपया अपनी सीट से बोलें और किन्हीं विशेष परिस्थितयों में किसी अन्य सीट से बोलना चाहें तो जो भी चेयर पर हों, उनसे अनुमति ले कर बोलें।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, हम एनआरएचएम के कर्मियों की पीड़ा आपके सामने रखना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : माननीय सदस्य, आप बीच में से न जाएं। जब कोई माननीय सदस्य बोलता है तो चेयर और बोलने वाले सदस्य के बीच में से नहीं जाते हैं।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, एनआरएचएम के तहत पूरे भारतवर्ष में जो योजना चलायी जा रही है, हम उसके कर्मियों की पीड़ा को आज आपके सामने रखना चाहते हैं। मैं निश्चित तौर पर जानता हूं कि यह काफी लाभप्रद योजना है। मैं अपने झारखंड क्षेत्र के अपने पलामू संसदीय क्षेत्र को सामने रखकर, आपके माध्यम से इसके विभागीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। मैंने अपने संसदीय समिति के राज्यों के भ्रमण में पाया कि इसके अधीन विभिन्न राज्यों में संविदा पर कार्यरत कर्मियों को अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मानदेय का भुगतान किया जा रहा है।

सभापति महोदय : आपने एनआरएचएम का मामला उठाया है, तो आप उसी पर बात कीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, मैं उसी की बात कर रहा हूं। इसमें अलग-अलग राज्य में अलग-अलग मानदेय दिया जा रहा है। बिहार में ए0एन0एम0 को 12, 500 रूपये मानदेय दिया जा रहा है, छत्तीसगढ़ में 10,000 रूपये मानदेय दिया जा रहा है और हमारे झारखंड में मात्र 7,200 रूपये मानदेय दिया जा रहा है। दूसरी बात, हमारे यहां साहिया का पद एक हजार की पॉपुलेशन पर है। मैं बताना चाहता हूं कि साहिया अपने भाग्य का खाता है। वह देखता है कि हमारे गांव में किसकी डिलीवरी होनी है, उसे वह स्वास्थ्य उपकेन्द्र तक ले जायेगा तो उसे 150 रूपया मिलेगा। वह गांव में टी.बी. के मरीज खोजता फिरता है ताकि उसे 20 रूपया मिल सके।

महोदय, अगर गांव में किसी को टी.बी. नहीं है, किसी बहन की डिलीवरी नहीं होनी है, तो उसे कोई पैसा नहीं मिलेगा। सरकार उसे प्रोत्साहन वेतन के रूप में कहती है। मैं कहना चाहता हूं कि एक हजार की पॉपुलेशन पर साहिया बहाल है। वह पूरे लोगों की देखभाल ए0एन0एम0 की तरह से करती है। दूसरे अन्य कर्मी डॉक्टर को 20 हजार रूपये वेतन मिलते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे झारखंड राज्य में इस योजना के अन्तर्गत ए0एन0एम0 को मात्र 7,200 रूपये मानदेय का भुगतान किया जाता है। अन्य कर्मी डॉक्टरों को 20,000 रूपये मानदेय का भुगतान किया जाता है।

सभापति महोदय : कृपया संक्षेप में बोलिये। यह राज्य का विषय है, राज्य इसे देती है। आपने अपनी बात का उल्लेख कर दिया है, अब कृपया संक्षिप्त कीजिए।

प्रो. सौगत राय (दमदम): महोदय, एनआरएचएम में तो केंद्र सरकार देती है।

सभापति महोदय : केन्द्र की स्कीम है, लेकिन किसको कितना दिया जायेगा, यह राज्य तय करता है। आप इसे जानते हैं।

श्री कामेश्वर बैठा : मुझे कहना है कि यह भारत सरकार की योजना है तो एक म्यान में दो तलवारें क्यों? हमारे झारखंड के साथ ऐसा क्यों है? हमारे बगल में बिहार में 12,500 रूपये मानदेय है।

सभापति महोदय : वह बात आपने कह दी है। आपने अपनी बात बहुत अच्छे ढ़ंग से कह दी है। आप इसमें चाहते क्या हैं?

श्री कामेश्वर बैठा : हम सरकार से मांग करते हैं कि बिहार की तरह हमारे झारखंड में भी ए0एन0एम0 को 12,500 रूपये मानदेय का भुगतान किया जाये और साहिया का मानदेय वेतन 10, 000 रूपये किया जाये।

सभापति महोदय : अब आपकी बात आ गयी है। श्री अजय कुमार अपने आपको श्री कामेश्वर बैठा जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।